Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

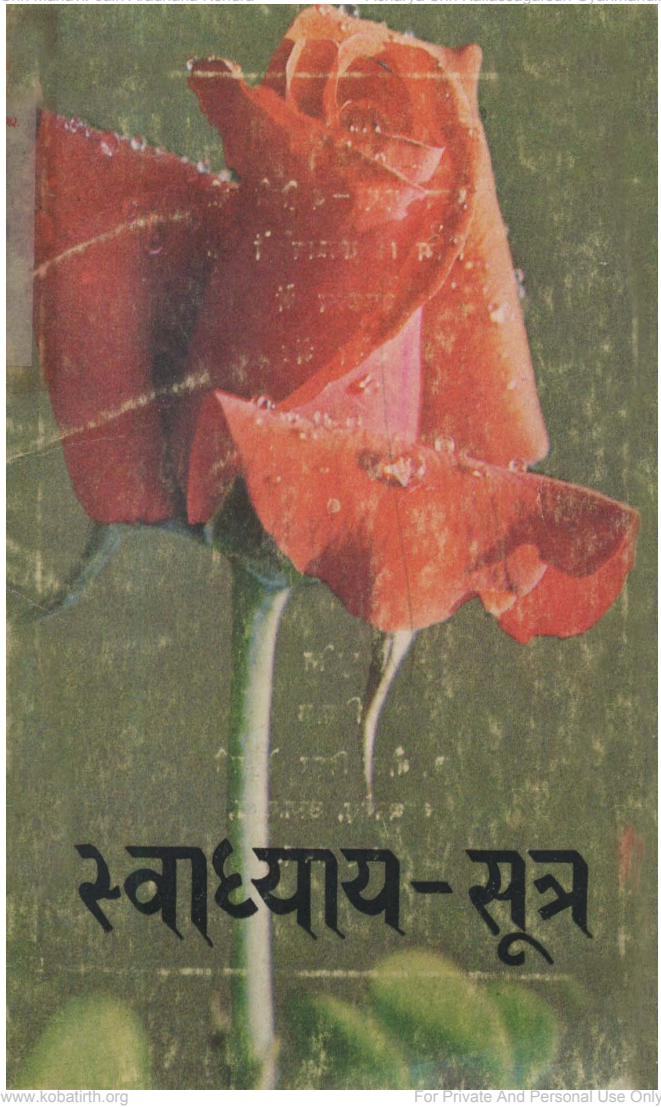

स्वाध्याय-सूत्र

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

पूज्य दादा – दादीजी की
विभिन्न तपश्चर्याओं के
उपलक्ष्य में
सप्रेम भेंट

•

पुलीन
विशाल
३, गौतम विहार सोसायटी,
आश्रमरोड, उस्मानपुरा,
अहमदाबाद.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

गच्छाधिपति

पू. आ. श्री कैलाससागरसूरीश्वरजी म. सा. के

स्वाध्याय-सूत्र

पू. आ. श्री पद्मसागरसूरीश्वरजी म. सा.

संकलन/संपादन :

मुनि विमलसागर

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

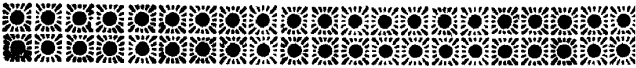

प्रकाशक :

श्री महावीर जैन आराधना केन्द्र,
कोबा, जिला—गांधीनगर,
गुजरात.

●

प्रथम संस्करण :
अगस्त, १९८५

●

प्रतियां : २०००

●

मूल्य : रु २/५०

●

सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

●

मुखपृष्ठ—मुद्रण :
बिम प्रिंटर्स, अहमदाबाद.

●

मुद्रक :
शिरीष बापालाल भट्ट
निधि प्रिंटर्स, न्यू डालिया बिल्डींग,
एलिसब्रिज, अहमदाबाद.

●

प्रस्तुत पुस्तिका के सम्बन्ध में आपके विचार सादर आमंत्रित है.

●

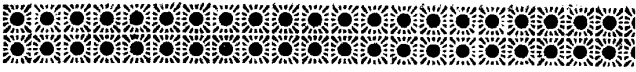

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

चिंता से चिन्तन की ओर

मेरे परम श्रद्धेय पूज्य गच्छाधिपति आचार्य देव श्री कैलाससागरसूरीश्वरजी म. सा. अपना अधिकतर समय स्वाध्याय एवं चिन्तन-मनन में व्यतीत किया करते थे. आगमिक-सूक्तियों का स्वाध्याय एवं चिन्तन-मनन करना उनका एक नित्य नियम था. जब कभी उन्हें थोड़ा सा भी समय मिलता, वे तुरन्त स्वाध्याय में लीन हो जाते.

प्रस्तुत पुस्तिका उनके नित्य स्वाध्याय से चुनी हुई प्रेरणादायी आगमिक-सूक्तियों का संकलन है. सूक्तियों से मानव-जीवन की उपयोगिता का आभास होता है और उसे सही ढंग से जीने की क्षमता भी विकसित होती है.

प्रस्तुत सूक्तियों में मधुरता है, उज्ज्वल एवं आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा और सुन्दर मार्गदर्शन भी है. इन्हें अपने मनमंदिर में प्रतिष्ठित करें. ये अवश्य ही आपको प्रभावित कर, आपके जीवन का सुन्दर एवं सरस मार्गदर्शन करेगी.

पद्मसागर

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

अपनी बात

सूक्तियाँ साहित्य-गगन में चमकते सितारों के समान हैं. इनकी निर्मल आभा अंधकारमय जीवन को ज्योतिमय बना सकती हैं.

जीवन के विविध अनुभवों ने इनको अजरता-अमरता दे रखी है. इन सूक्तियों में मिश्री की मधुरता और अंगूर की सरसता जैसा स्वाद परिलक्षित होता है. इनका स्वाध्यायपान जीवन को मिठास से भर सकता है, सरस बना सकता है.

पूज्य गच्छाधिपति आचार्य देव श्री कैलाससागर सूरीश्वरजी म. सा. सैकड़ों आगमिक-सूक्तियों का स्वाध्याय प्रतिदिन अपने जीवन में करते थे, उन्हीं में से इस पुस्तिका का संकलन किया गया है.

इन उज्ज्वल सितारों ने पूज्य आचार्य श्री के जीवन को तो ज्योतिमय बनाया ही था, मुझे भी पूर्ण विश्वास है कि यदि इन्हें अपनी जीवन-यात्रा में सम्मिलित किया गया तो ये अवश्य ही अपने यात्रा पथ को आलोकित कर उसे सरल एवं सुगम बनायेंगे.

—विमलसागर

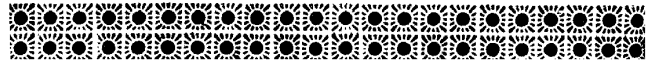

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

जा जा वच्चइ
रयणी न सा
पडिनियत्तई.

जो रात और दिन
एक बार
अतीत की ओर
चले जाते हैं
वे फिर कभी
वापिस नहीं लौटते.

उत्तराध्ययन सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

णत्थि असत्थं
परेण परं.

अहिंसा की साधना
से बढ़कर
दूसरी कोई
श्रेष्ठ साधना नहीं.

आचारांग सूत्र.

[६]

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

अत्तकडे दुक्खे,
नो परकडे.

आत्मा का दुःख
अपना ही किया हुआ
दुःख है,
किसी अन्य का नहीं.

—भगवती सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

अप्पणा
सच्चमेसेज्जा.

अपनी स्वयं की
आत्मा के द्वारा
सत्य का अनुसंधान
करो.

—उत्तराध्ययन सूत्र.

●

पणया वीरा
महावीहिं.

अहिंसा और समता
महापथ के पथिक
वीर होते हैं.

—आचारांग सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

अप्पा कत्ता विकत्ता य
दुक्खाण य
सुहाण य.

आत्मा ही
सुख-दुःख का
कर्त्ता और भोक्ता है.

उत्तराध्ययन सूत्र.

●

एगं जिणेज्ज
अप्पाणं.
एस से परमो जओ.

अपने आप को
जीत लेना ही
सबसे बड़ी विजय है.

—उत्तराध्ययन सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

तण्हा हया जस्स
न होइ लोहो.

जिसमें
लोभ नहीं होता.
उसकी तृष्णा
नष्ट हो जाती है.

—उत्तराध्ययन सूत्र.

●

विणियट्टंति भोगेसु
जहा से पुरिसोत्तमो.

जो भोगों से
दूर रहते हैं.
वे ही श्रेष्ठ
महापुरुष है.

— दशवैकालिक सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

कामे कमाही
कमियं खु दुक्खं.

कामनाओं का
अन्त करना ही
दुःखों का
अन्त करना है.

—दशवैकालिक सूत्र.

●

सव्वमप्पे
जिए जियं.

स्वयं को जीतना ही
सब कुछ जीतना है.

—उत्तराध्ययन सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

सव्वे कामा
दुहावहा.

सभी काम-वासनाएँ
दुःखप्रद होती हैं.

—उत्तराध्ययन सूत्र.

कडाण कम्माण
न मोक्खु अत्थि.

किये हुए कर्मों का
फल भोगे बिना
मुक्ति नहीं होती.

—उत्तराध्ययन सूत्र.

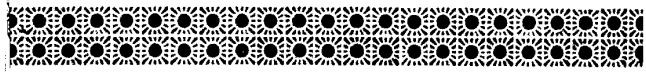

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

उट्ठिते
णो पमादए.

जाग्रत बनो !
प्रमाद मत करो.

—आचारांग सूत्र.

•

बन्धपमोक्खो
तुज्झज्झत्थवे.

बन्धन और मोक्ष
अपने ही
भीतर है.

—आचारांग सूत्र.

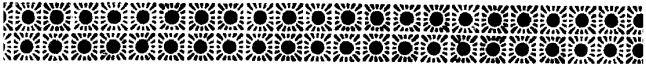

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

जे एगं जाणति
से सव्वं जाणति.

जो एक
आत्म-स्वरूप को
जान लेता है,
वह सब कुछ
जान लेता है.

—आचारांग सूत्र.

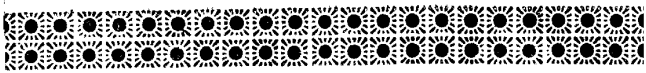

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

चएज्ज देहं न
उ धम्मसासणं.

देह को
भले ही त्याग दें,
परन्तु अपने
धर्मशासन को
कभी न त्यागें.

— दशवैकालिक सूत्र.

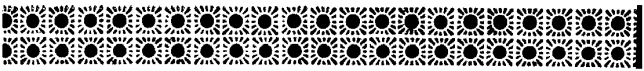

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

समाहिकारए णं
तमेव समाहिं
पडिलभति.

जो दूसरों के
सुख एवं कल्याण का
प्रयत्न करता है,
वह स्वयं भी
सुख एवं कल्याण को
प्राप्त होता है.

—भगवती सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

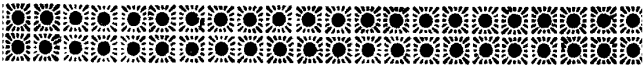

तम्हा पण्डिते
णो हरिसे,
णो कुज्झे.

यही
आत्मज्ञानी साधक है
जो किसी भी
स्थिति में
न हर्ष करता है
और न कोप.

—आचारांग सूत्र.

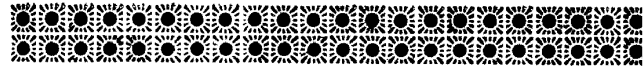

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

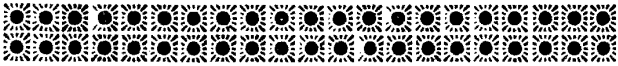

सच्चस्स आणाए
से उवट्ठिए मेधावी
मारं तरति.

जो मेधावी साधक
सत्य की आज्ञा में
उपस्थित रहता है,
वह मृत्यु के प्रवाह को
तैर जाता है.

आचारांग सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

जो छंदमाराहयई
स पुज्जो.

जो गुरुजनों की
भावनाओं का
आदर करता है,
वह पूज्य है.

—दशवैकालिक सूत्र.

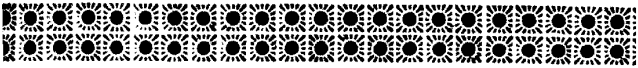

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

कामाणुगिद्धिप्पभवं
खु दुक्खं.
काम की आसक्ति
से ही दुःख
उत्पन्न होते है.

—उत्तराध्ययन सूत्र.

●

धम्मो दीवो
पाइट्ठा य
गई सरणमुत्तमं.
धर्म
द्वीप है, प्रतिष्ठा है,
गति है
और उत्तम शरण है.

—उत्तराध्ययन सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

सद्धाखमं णे
विणइत्तु रागं.

धर्म श्रद्धा हमें
आसक्ति से
मुक्त कर सकती है.

—उत्तराध्ययन सूत्र.

●

संतोसपाहन्नरए
स पुज्जो.

जो संतोष के
पथ में रमता है,
वही पूज्य है.

—दशवैकालिक सूत्र.

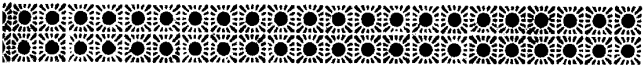

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

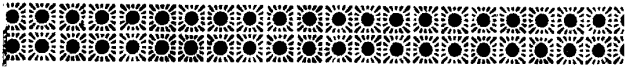

उवसमेण
हणे कोहं.

क्रोध को शांति से
नष्ट कीजिये.

—दशवैकालिक सूत्र.

मुच्छा
परिग्गहो वुत्तो.

मूर्च्छा ही
परिग्रह है.

—दशवैकालिक सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

इच्छा हु
आगाससमा
अणंतिया.

इच्छा
आकाश के समान
अनन्त होती है.

—उत्तराध्ययन सूत्र.

●

कोहो पीइं
पणासेइ.

क्रोध
प्रीति को
नष्ट करता है.

—दशवैकालिक सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

इमेण चेव
जुज्झाहि.

आन्तरिक
विकारों से ही
युद्ध कीजिए.

—आचारांग सूत्र.

•

सकम्मुणा
कच्चइ पावकारी.

पाप करने वाला
अपने ही कर्मों से
पीड़ित होता है.

—आचारांग सूत्र

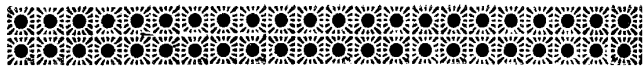

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

नच्चा नमइ
मेहावी.

बुद्धिमान
ज्ञान पाकर
विनम्र हो जाता है.

— उत्तराध्ययन सूत्र.

●

लोभो
सव्वविणासणो.

लोभ
सभी सद्गुणों का
विनाश
कर देता है.

— दशवैकालिक सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

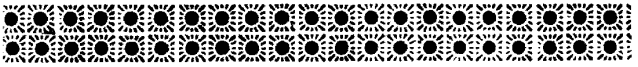

णेव गामे णेव रण्णे,
धम्ममायाणह.

धर्म कहीं गांव या
जंगल में नहीं.
अन्तरात्मा में होना है.

आचारांग सूत्र.

●

सरिसो होइ
बालाणं.

बुरे के साथ
बुरा होना
अज्ञानता है.

उत्तराध्ययन सूत्र.

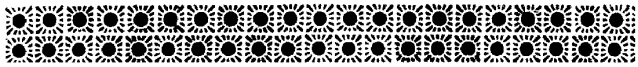

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

दुक्खं हयं जस्स न
होइ मोहो.

जिसमें मोह नहीं होता,
उसका दुःख
नष्ट हो जाता है.

उत्तराध्ययन सूत्र.

●

अणुसासिओ न
कुप्पेज्जा.

अनुशासन से
कुपित नहीं
होना चाहिये.

उत्तराध्ययन सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

नाणी नो
परिदेवए.

ज्ञानी कभी
खेद नहीं करते.

उत्तराध्ययन सूत्र.

●

दुल्लभे खलु
माणुसे भवे.

मनुष्य जन्म
निश्चय ही
बड़ा दुर्लभ है.

उत्तराध्ययन सूत्र.

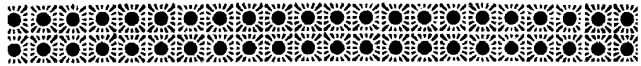

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

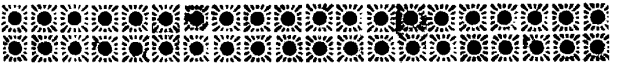

भोगी भमइ
संसारे.

भोग में
आसक्त रहने वाला
संसार में
भटकता है.

उत्तराध्ययन सूत्र.

●

आणाए
मामगं धम्मं.

जिनेश्वर की
आज्ञा का पालन ही
अपना धर्म है.

— आचारांग सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

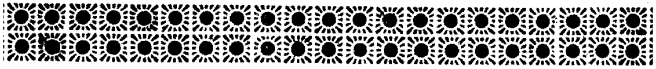

खमावणयाए णं
पल्हायणभावं
जणयइ.

क्षमा से
प्रसन्नता के भाव
पैदा होते हैं.

—उत्तराध्ययन सूत्र.

●

एस खलु गंथे.
हिंसा ही
वस्तुतः बन्धन है.

—आचारांग सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

णत्थि कालस्स
णागमो.

मृत्यु
किसी भी समय
आ सकती है.

आचारांग सूत्र.

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

हमारे प्रेरणादायी उत्तम प्रकाशन

- डाक–शिक्षण (हिन्दी–मासिक)
  आजीवन सदस्यता शुल्क ..... 101/– रु.
- आलोक के आंगन में (हिन्दी सूक्तियाँ)... 1/25 रु.
- ग. पू. आ. श्री कैलाससागरसूरीश्वरजी म. सा.
  जीवन–यात्रा : एक परिचय (हिन्दी–गुजराती).. 2/50 रु.
- ग. पू. आ. श्री कैलाससागरसूरिजी म. के
  स्वाध्याय सूत्र (हिन्दी–गुजराती–
  आगमोक्त सूक्तियाँ) ..... 2/50 रु
- प्रकाश ना प्रांगण मां (गुजराती सूक्तियाँ)... 1/50 रु

प्रकाशन की प्रतीक्षा में :

- सेठ मफतलाल (हिन्दी दृष्टान्त)
- ग. पू. आ. श्री कैलाससागरसूरीश्वरजी म. सा.
  जीवन–यात्रा : एक परिचय (अंग्रेजी)
- सुवास और सौन्दर्य (हिन्दी/गुज. सूक्तियाँ)

प्राप्तिस्थान :

श्री महावीर जैन आराधना केन्द्र
C/o. मिलन अजितभाई सुतरिया, 24, कृष्णवन सोसायटी,
अंकुर रोड़, नारणपुरा, अहमदाबाद–380013.

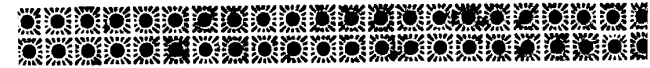

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only

Shri Mahavir Jain Aradhana Kendra Acharya Shri Kailassagarsuri Gyanmandir

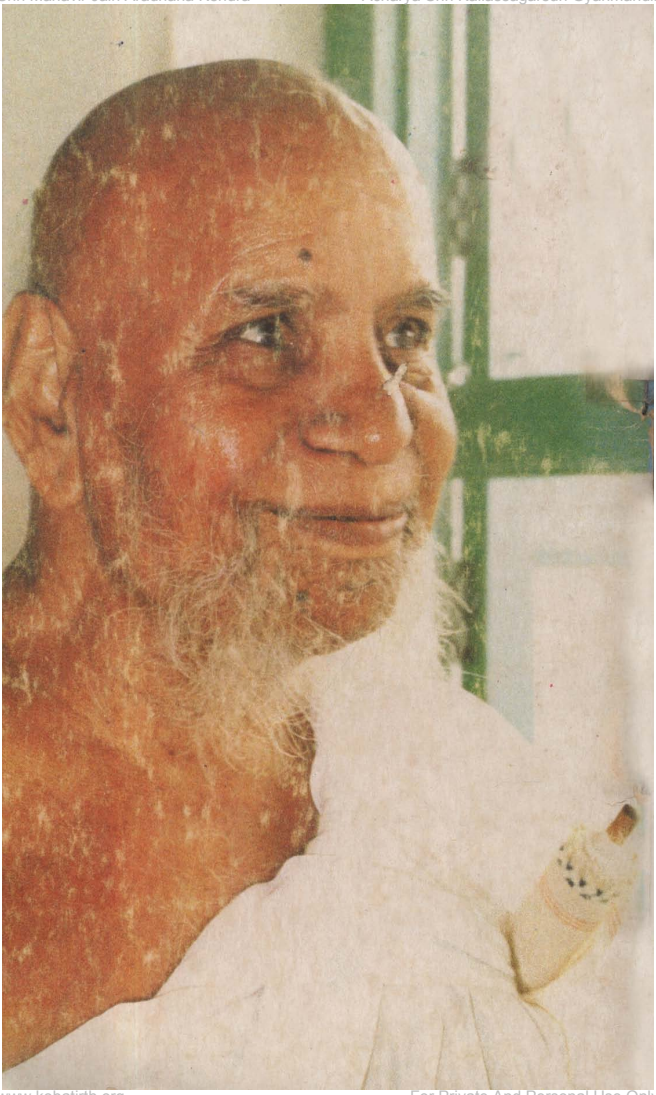

www.kobatirth.org For Private And Personal Use Only